# मधुबन के कुमारों का आह्वान

- ब्र.कु.सुमन,जानकीपुरम,लखनऊ

**जगत नियंता की बेजोड़ रचना, विधाता की अनमोल कृति, दयानिधान की बेमिसाल निधि, भाग्यविधाता एवं जगतजननी की तपोस्थली, अति विशिष्ट भूमि 'मधुबन', जिसे स्वयं भगवान ने चुना,**

**सँवारा, वहाँ पर कर्म करके कर्म करने की कला सिखाई।**

**एक ओर जहाँ कलियुग के अंत में चारो ओर विकारों की आग धधक रही है, भ्रष्टाचार तथा भौतिकता की महामारी जहाँ रगों में पहुँच चुकी है, मानवता जहाँ दर्द से कराह रही है, ईमान जहाँ खुला बिक रहा है तथा धर्म अस्तित्व विहीन बन चुका है, ऐसे समय में उसकी पहचान तथा त्याग की नई परिभाषा लिखने वाले, अनोखे गुप्त रूप में आये परमात्मा को पहचानने वाले, उसकी मत को जीवन का परम उद्देश्य बना संसार की करुण दशा देख उसकी दिशा बदलने के लिए सब आशाएँ समर्पित करने वाले, मधुबन पावनतम भूमि के पवित्र कुमार, ज़रा सोचो! आपको किसने चुना है। जो त्रिकालदर्शी है, जानी जाननहार है, तीनों लोकों को सिर्फ जानने वाला नहीं, बल्कि उसका मालिक भी है। अरब लोगों में से अंगुलियों पर गिनती होने वाले मुट्ठी भर लोगों को चुना है, और आपको रखा कहाँ, मधुबन में! यह एक ऐसा स्थान है, जहाँ कोई विकारी हवा नहीं, गर्मी का ज़लज़ला नहीं।**

उमंग-उत्साह की उर्जा जहाँ पवन की तरह बह रही हो, जहाँ विश्व कल्याण कण-कण में बसा हो, पवित्रता जहाँ आकाश की तरह अनन्त, उच्च एवं परिशोधितशिखरीय है, मेरे भाई! ये वो जगह है जिस पर सारे संसार की नज़र है। आप सारे संसार को देख रहे हों या न देख रहे हों, या ये मान रहे हों कि हमें कोई या संसार देख रहा है या नहीं देख रहा है, परन्तु कोई तो क्या, सारे संसार के साथ भगवान भी तुम्हें अच्छी तरह से देख रहा है, बल्कि संसार तो बड़ी कातर नज़र से इस उम्मीद के साथ आप पर अपनी नज़रें टिकाये है, कि कहीं से शफा मिलना है तो यहीं से, अगर कोई हाथ थामने वाला है, तो यही अल्लाह लोग हैं। अब ज़रा सोचो! भगवान ने तुम्हें यहाँ क्यों रखा है? क्या सोच कर भगवान ने विश्व शोकेस में आपको सैम्पल के रूप में रखा है? जब भी कोई बड़ा व नया कार्य किसी को दिया जाता है तो और सब बातों से फ्री एवं निश्चिंत किया जाता है और पूरी तरह एकांत का अवसर दिया जाता

है, वैसे ही भगवान ने भी आप लोगों की हर छोटी-छोटी बातों की अच्छी व्यवस्था कर रखी है, बाकी हर उस चीज़ से आपको मुक्त कर रखा है जिसमें आपको समय, शक्ति और संकल्प लगाना पड़े, आपको किसी और के लिए तो क्या अपने लिए भी सोचने की ज़रूरत नहीं, आप सिर्फ और सिर्फ अपनी तपस्या के द्वारा अपनी स्थिति को बनायें, बाकी सब काम के लिए भगवान बैठा है। तो सोचो! आपकी ऐसी व्यवस्था किस महान कार्य के लिए भगवान ने करायी होगी? दुनिया में अगर एक नज़र आप डालकर देखें कि संसार की गाड़ी कैसे चल रही है? तो पायेंगे कि हालत और हालात दोनों बद से बदतर होते जा रहे हैं, जितना सुधारने का किसी भी तरह प्रयत्न किया जा रहा है, उतना ही वो खराब होता जा रहा है, आप तो सोच भी नहीं सकते कि संसार कैसी दुर्दशा से गुज़र रहा है, और मानव जो सर्वश्रेष्ठ प्राणी था, सर्वगुण सम्पन्न था, आज वो किस हालात से गुज़र रहा है, क्या वो कर रहा है और क्या-क्या उसके साथ हो रहा है, क्या-क्या उसके पास था और आज वह किस-किस चीज़ के लिए तरस रहा है! जो देश सोने की चिड़िया कहलाता था, आज उसके खाने के लाले पड़े हैं, जहाँ घी-दूध की नदियाँ बहती थी, वहाँ आज विषय-विकारों की हवायें बह रही हैं, जहाँ शेर जैसे हिंसक जानवर में भी प्रेम एवं माधुर्य की वृत्ति चलती थी, आज वहाँ मानव की वृत्ति इतनी हिंसक एवं खुंखार हो गई है, जैसे कि उसने इसे शेर से ट्रांसफर करवा ली है। जो जीवन मूल्यों से सजा हुआ था, वही आज वहसीपने से तार-तार हो गया है। सूरत में स्मार्टनेस तो भरपूर है, पर व्यवहार में स्वीटनेस से कोसो दूर हैं। मेरे भाई! आप इतने पवित्र स्थान पर पवित्र जीवन और पवित्र संगठन के बीच में रहते हो, इसलिए शायद आप सोच नहीं सकते, पर दिनोंदिन दशा और दिशा इतने बद से बदतर होते जा रहे हैं कि इनको सुधारने के लिए सबने हाथ खड़े कर लिए हैं। अब एकमात्र सहारा भगवान और भगवान के द्वारा निमित्त बनाये हुए भाग्यवान कुमार ही हो सकते हैं, क्योंकि कुमार भगवान के अति ऊर्जावान एवं निर्बन्धन, त्यागी लोग हैं, उसमें आप तो अति भाग्यवान आत्मायें हैं। मेरे प्रिय भाई, इस जड़जड़ीभूत जहान में आप ही ये भागीरथ कार्य कर सकते हैं, क्योंकि आपमें डबल ऊर्जा तो है ही, साथ-साथ सर्वशक्तिवान का भी साथ

है, बेजोड़ संगठन का भी सहयोग है, और भाइयों! ये कार्य अगर अभी नहीं किया गया तो आगे कभी भी नहीं हो सकता और आप लोग किस सोच वा किस आश में बैठे हो कि कहीं कोई मसीहा आयेगा और सारी समस्यायें जादू की तरह छू-मंतर कर देगा। मेरे भाई ! इस भ्रम में मत रहिये, क्योंकि कहीं कभी कोई मसीहा या जादूगर आने वाला नहीं। मेरे भाई! संसार को इस हालात में ले जाने वाला कौन है? सर्वश्रेष्ठ प्राणी होने के नाते इसके पतन का कारण मानव ही है, उसमें भी खास हम ही लोग हैं, और परिवर्तन के लिए हम किसी और की तलाश में हैं! क्या मा.नॉलेजफुल को पलायन करना शोभा देता है? नहीं, तुम तो ऐसे स्थान पर हो, तुम्हें चयनित करने वाला कौन है? किसने तुम पर विश्वास किया है? अगर कभी सफलता नहीं भी मिलती तो पुरुषार्थ के पथ पर पहला कदम रखते ही पीछे के सारे संसार पीछा नहीं छोंड़ देते, जिसके कारण अगर कभी सफलता थोड़ा लेट भी हो सकती है, पर दिलशिकस्ती क्यों? - क्रमश:

**मुज़फ्फरपुर-बिहार।** आमगोला रोड स्थित सेवाकेन्द्र पर गोवा की राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. रानी दीदी, सांसद अजय निषाद, श्रीमति इन्द्रा देवी,जिप अध्यक्ष, डॉ. शिवदास पाण्डेय, डॉ. प्रभाकर पाठक, विष्णुकांत झा तथा अन्य।

**बहादुरगढ़-हरियाणा।** मुख्यमंत्री माननीय मनोहर लाल खट्टर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विनीता तथा ब्र.कु. अमृता।

**रूपन्देही-नेपाल।** अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चित्र में माननीय रक्षामंत्री बालकृष्ण खांड, ब्र.कु. शांति, ब्र.कु. भूपेन्द्र अधिकारी तथा अन्य।

**सासाराम-बिहार।** हिन्दू समाज के कार्यक्रम में पूर्व माननीय उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी एवं विक्रमगंज के पूर्व विधायक राजेश्वर राज को आत्म स्मृति का तिलक देते हुए ब्र.कु. बबिता एवं ब्र.कु. सुनीता।

**महोतरी-नेपाल।** स्नेह मिलन के पश्चात् नेपाल के माननीय सभासद् शत्रुघन प्रसाद महतो को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शिव कुमारी। साथ हैं ब्र.कु. जगदीश व अन्य।

**मेरठ।** आध्यात्मिक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पुष्पा,नेशनल कोऑर्डिनेटर,ज्यूरिस्ट विंग। साथ हैं कमिश्नर आलोक सिन्हा, पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या,चेयरमैन,नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेज़, अतुल्य गुप्ता, डायरेक्टर,नंदी फर्टीलाइज़र्स, सीताराम मीणा,प्रेसाइडिंग ऑफिसर,लेबर कोर्ट,उ.प्र., ब्र.कु. सुनीता व अन्य।

**पोखरा-नेपाल।** 'सेल्फ एम्पॉवरमेंट फॉर वैल्यु बेस्ड एज्युकेशन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए इंस्ट्रक्टर एंड ट्रान्सपोर्टेशन मिनिस्टर रमेश लेखक, डी.एस.पी. कमल सिंह बम, आई.एस.पी. यादव रेगमी, रिजनल एडमिनिस्ट्रेटर खागराज बराल, डिस्ट्रिक्ट जज शेखर पौडेल, डिस्ट्रिक्ट एज्युकेशन ऑफिसर रमाकांत शर्मा, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. सुरेन्द्र, ब्र.कु. परीणिता, ब्र.कु. कमला तथा अन्य।

**बौध-ओडिशा।** कलेक्टर मधुसूदन मिश्रा को राखी बांधने के बाद ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गौरी।